# विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

## कक्षा -षष्ठ दिनांक - 08-11-2020

## विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात बच्चों आज  वाक्य के बारे में अध्ययन करेंगे।

## वाक्य किसे कहते हैं?

ऐसा शब्द-समूह जो अपना अर्थ स्पष्ट कर दे, वाक्य कहलाता है। वाक्य भाषा की एक संपूर्ण इकाई होता है। वाक्य के अंग कर्ता और क्रिया वाक्य के अनिवार्य अंग हैं। इनके बिना वाक्य नहीं बनते। वाक्य में और भी अनेक तत्व होते हैं परंतु वाक्यों की रचना के लिए इन दो तत्वों का होना आवश्यक है। वाक्य के दो अंग होते हैं:

- उद्देश्य
- विधेय

### *उद्देश्य*

वाक्य में जिसके विषय में कुछ बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए और शब्दों पर ध्यान दीजिए-

- गाँधीजी ने हमें स्वतंत्रता दिलाई।

- भारत एक प्राचीन देश है।
- बच्चे पढ़ रहे हैं।

इन वाक्यों में गाँधीजी, भारत तथा बच्चे के विषय में कुछ बताया गया है। ये उद्देश्य हैं। "उद्देश्य" को कर्ता भी कहते हैं।

## *विधेय*

वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है। इसमें क्रिया कर्म आदि आते हैं। इन वाक्यों में उद्देश्यों के बारे में कुछ-न-कुछ कहा गया है। "हमें स्वतंत्रता दिलाई", "प्राचीन देश है" एवं "पढ़ रहे हैं" इसमें गाँधीजी, भारत एवं बच्चे के बारे में कहा गया है। ये विधेय हैं। विधेय में कर्म और क्रिया आदि सम्मिलित रहते हैं।
जिस प्रकार कुछ शब्द उद्देश्य की विशेषता बताने के लिए आते हैं, उसी प्रकार कुछ शब्द विधेय में आए "कर्म" और "क्रिया" की विशेषता बताने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। नीचे दिए गए उदाहरणों को पढ़िए-

1. राम पढ़ता है।
2. राम मन लगाकर पढ़ता है।

ऊपर के दोनों वाक्यों में "पढ़ता है" कर्म है। दूसरे वाक्य में "मन लगाकर पढ़ता है" कर्म की विशेषता बता रहे हैं। कर्म की विशेषता बताने वाले शब्द "कर्म का विस्तार कहे जाते हैं।"